⇒ वैज्ञानिक पद्धति के चरण →

लुण्डबर्ग ने वैज्ञानिक पद्धति के चार चरणों का वर्णन किया है –

(i) कार्यशील प्राक्कल्पना का निर्माण

(ii) अवलोकन एवं तथ्यों का आलेख

(iii) संकलित तथ्यों का वर्गीकरण एवं संगठन

(iv) सामान्यीकरण

⇒ श्रीमती P. वी. यंग ने 6 चरणों का उल्लेख किया है।-

1. अध्ययन हेतु समस्या का चुनाव
2. कार्यशील प्राक्कल्पना का निर्माण
3. वैज्ञानिक प्रविधियों की सहायता से समस्या या घटना का अवलोकन एवं खोज
4. संकलित तथ्यों का आलेखन
5. तथ्यों का विभिन्न वर्गों में वर्गीकरण
6. वैज्ञानिक सामान्यीकरण

⇒ विभिन्न चरण -
1. समस्या का चुनाव
2. अध्ययन के उद्देश्यों का निर्धारण
3. प्राक्कल्पना का निर्माण
4. अध्ययन-क्षेत्र एवं अध्ययन की इकाई का निर्धारण
5. अध्ययन-पद्धतियों एवं उपकरणों का चुनाव
6. सूक्ष्म एवं सावधानीपूर्ण अवलोकन
7. वर्गीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या
8. सामान्यीकरण
9. जाँच एवं पुनर्परीक्षण
10. भविष्यवाणी

⇒ सा॰ घटना की प्रकृति (Nature of Social Phenomenon) →

1. सा॰ घटनाओं की जटिलता
2. गतिशील प्रकृति
3. अमूर्तता (Abstractness)
4. एकरूपता का अभाव
5. सार्वभौमिकता का अभाव

(VI) गुणात्मकता (Qualitativeness)
(VII) भविष्यवाणी की अक्षमता
(VIII) कर्मीविषयकता का अभाव (Lack of objectivity) →
- प्रयोगशाला का अभाव, स्वतन्त्र एवं अनिश्चित होती है, कार्य-कारण सम्बन्धों का अभाव

⇒ सा० घटनाओं के अध्ययन में वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग →
(1) सा० घटनाओं का अध्ययन वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित →
↳ तथ्य-संकलन के लिए सा० सर्वेक्षण-पद्धति
व्यक्तिक जीवन-अध्ययन पद्धति, समाजमिति, अवलोकन साक्षात्कार, अनुसूची, प्रश्नावली आदि का उपयोग किया जाता
- इनमें ऐतिहासिक, तुलनात्मक, संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक पद्धतियों का सहारा भी लिया जाता है।
(2) केवल वास्तविक घटनाओं का अध्ययन → क्या है का अध्ययन (सहज प्रज्ञा)
(3) कार्य-कारण के सम्बन्ध पर आधारित →
(4) नियमों की परीक्षा एवं पुनर्परीक्षा → बाल अपराध, सहज प्रज्ञा
(5) नियमों की सार्वभौमिकता → औद्योगीकरण एवं नगरीकरण में वृद्धि के साथ-2 संयुक्त परिवार टूटेंगे, विघटित परिवार अपराध को जन्म देंगे, स्त्री-शिक्षा
(6) भविष्यवाणी की क्षमता →

NOTE → सभी बिन्दुओं को सविस्तार लिखना है।